टिप्पणी

12

अशुद्धियाँ एवं उनका संशोधन

आपने अपनी पढ़ाई को गम्भीरता से नहीं लिया इसलिए आपको अच्छे अंक प्राप्त नहीं हुए। आपने यह एक गलती की। आप बुरी संगत में पड़ गए। इस प्रकार की गलतियाँ अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में कर सकते हैं। इसी प्रकार से एक लेखाकार भी खाता बहियों में व्यावसायिक लेन-देनों का लेखा करते समय उनकी खाता बही में खतौनी करने में, खातों का शेष निकालने में गलतियाँ/भूलें कर सकता है। इन भूलों/अशुद्धियों को ढूँढ़ कर तुरंत ठीक करना आवश्यक है जिससे कि लेखों से व्यावसायिक संगठन के परिचालन के सत्य एवं ठीक परिणाम ज्ञात किए जा सकें। आप पढ़ चुके हैं कि यदि तलपट का मिलान नहीं होता है तो इसका अर्थ है कि कोई-न-कोई लेखांकन की अशुद्धि है। कुछ अशुद्धियाँ इस प्रकार की होती है कि जो तलपट को प्रभावित नहीं करती हैं अर्थात् उनके होते हुए भी तलपट का मिलान हो जाता है। इस पाठ में आप लेखांकन अशुद्धियों को ढूँढ़ना, उनका वर्गीकरण एवं विश्लेषण करना तथा उनका संशोधन करना सीखेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् आप :

- लेखांकन अशुद्धियों का अर्थ एवं उनको ढूँढ़ने की विधि को बता सकेंगे;
- लेखांकन अशुद्धियों का वर्गीकरण कर सकेंगे;
- उचन्त (suspense) खाता तैयार कर सकेंगे।

12.1 लेखांकन अशुद्धियों का अर्थ एवं उनको ढूँढ़ना

अपने जीवन काल में हम अनेक भूलें करते हैं। जैसे ही हमें इनका पता लगता है हम इन्हें ठीक करते हैं। इसी प्रकार से एक लेखाकार भी लेन-देन के अभिलेखन

टिप्पणी

एवं उनकी खतौनी में गलती अर्थात् अशुद्धि कर सकता है। इन्हें लेखांकन अशुद्धियाँ कहते हैं। अतः हम कह सकते हैं कि लेखांकन अशुद्धियाँ व्यावसायिक फर्म के खातों के अभिलेखन एवं अनुरक्षण के लिए उत्तरदायी व्यक्तियों के द्वारा लेखांकन प्रक्रिया के दौरान की गई गलतियाँ हैं। यह अशुद्धियाँ लेन-देनो के अभिलेखन से छूट जाने, गलत बहियों में या गलत खातों में प्रविष्टि करने अथवा उनका योग गलत लगा देने आदि के रूप में की जा सकती हैं।

लेखांकन अशुद्धियों को निम्नाकिंत स्वरूप दे सकते हैं

- किसी व्यावसायिक लेन-देन की रोजनामचा अथवा विशेष उद्देश्यी बहियों में प्रविष्टि नहीं की गई हो।
- अभिलिखित लेन देनों की खाता बही में खतौनी नहीं करना।
- योग करने अथवा योग को अगले पृष्ठ पर ले जाने में त्रुटि
- गलत राशि लिखना, गलत खाते में लिखना अथवा गलत पक्ष में लिखना

अशुद्धियाँ दो प्रकार की हो सकती हैं : (i) जिनके कारण तलपट का मिलान नहीं होता है, (ii) जिनका तलपट के मिलान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

अशुद्धियों को ढूंढ़ना

यह स्वाभाविक है कि यदि अशुद्धियाँ हैं तो उनको शीघ्र अतिशीघ्र ढूंढ़ लेना चाहिए। अशुद्धियाँ की पहचान हो जाने पर उनका संशोधन किया जाना चाहिए। लेखांकन में यह निश्चित हो जाने पर कि कुछ लेखांकन अशुद्धियाँ हैं, जिनकी पहचान की जानी है, जितना जल्दी संभव हो इन्हें ढूंढ़ लेना चाहिए लेकिन इन अशुद्धियों की पहचान कैसे की जा सकती है।

लेखांकन अशुद्धियों को ढूंढ़ने के चरण निम्नलिखित हैं :

(क) जब तलपट का मिलान नहीं होता है।

(i) तलपट के स्तम्भों के योग की जाँच करें।

(ii) यह भी जाँच करें कि सभी खातों (रोकड़ खातों एवं बैंक खातों सहित) के शेष तलपट के सही स्तंभों में लिखे गए हैं अर्थात् नाम शेष नाम स्तंभ में तथा जमा शेष जमा स्तंभ में।

(iii) तलपट में अन्तर की ठीक राशि ज्ञात करें तथा निश्चित करें कि

(अ) इस राशि के समान राशि का कोई खाता शेष तलपट में लिखने से न रह गया हो।

(ब) किसी खाते का शेष तलपट के शेष के आधे के बराबर तो नहीं है, हो सकता है इसे तलपट के गलत स्तम्भ में लिख दिया गया हो।

टिप्पणी

(iv) विशिष्ट उद्देश्यीय बहियों में किये योग की पुनः जाँच करें।

(v) विभिन्न खातों के शेषों की जांच करें।

(vi) यदि अभी भी अन्तर का पता नहीं लगा है तो (रोजनामचा एवं विशेष उद्देश्यीय बहियों में से) प्रत्येक प्रविष्टि की खाता बही में खतौनी की जाँच करें।

(ख) जब तलपट का मिलान हो जाए

आप यह जान चुके हैं कि तलपट के दोनों स्तंम्भों का योग समान होना खतौनी की शुद्धता का पक्का प्रमाण नहीं है। ऐसी अशुद्धियाँ हो सकती है जिनका तलपट के मिलान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। हो सकता है कि इन अशुद्धियों को तुरंत ढूँढ़ा जा सके लेकिन जिनकी पहचान काफी समय के पश्चात् हो पाती है। इनका संशोधन इनके पकड़ में आ जाने पर ही किया जाता है।

अशुद्धियाँ जिनका तलपट पर प्रभाव नहीं पड़ता है, इस प्रकार हैं :

(i) किसी लेन-देन का रोजनामचा अथवा विशेष उद्देश्यीय बही में अभिलेखन होने से छूट जाना। उदाहरण के लिए माल उधार क्रय किया ओर इसका क्रय बही में अभिलेखन नहीं हुआ।

(ii) किसी मद की रोजनामचा अथवा विशेष उद्देश्यीय बही में गलत राशि का अभिलेखन। उदाहरण के लिए ₹ 2,550 की उधार बिक्री को विक्रय बही में ₹5,250 लिखा गया।

(iii) ठीक राशि, ठीक पक्ष में लेकिन गलत खाते में खतौनी करना। उदाहरण के लिए जगन्नाथन से रोकड़ प्राप्त की और विश्वनाथन के जमा में खतौनी की गई।

(iv) पूँजीगत व्यय की मद का आगम व्यय की मद अथवा इसके विपरीत अभिलेखन किया गया। उदाहरण के लिए भवन की मरम्मत पर किया गया व्यय भवन खाते के नाम में लिखा गया।

उपरोक्त अशुद्धियों के होने पर भी तलपट का मिलान कैसे हो सकता है? इसका कारण है कि उपरोक्त लेन-देनों में समान राशि से नाम और जमा साथ-साथ प्रभावित हुए।

पाठगत प्रश्न 12.1

क्या नीचे दी गई अशुद्धियाँ तलपट को प्रभावित करती हैं अथवा नहीं करती? यदि करती हैं तो लिखे 'हाँ' और यदि नहीं करती हैं तो लिखे 'नहीं'।

i. ₹ 3,200 का माल अनिल नायर को बेचा लेकिन उसकी प्रविष्टि विक्रय बही में नहीं की गई है।

टिप्पणी

ii. सिमरन से ₹ 2,400 का माल खरीदा है और इसकी क्रय बही में ठीक प्रविष्टि की गई है लेकिन खाता बही में उसके खाते के जमा में ₹ 3,400 की खतौनी की गई है।

iii. क्रय बही का योग गलत लगाया गया।

iv. भवन की मरम्मत पर किए गए व्यय की राशि को भवन के नाम में लिखा गया।

12.2 लेखांकन अशुद्धियों का वर्गीकरण

लेखांकन अशुद्धियों को निम्नलिखित वर्गों में बाँटा जा सकता है।

(अ) प्रकृति के आधार पर

(क) लोप अशुद्धि (Errors of omission)

(ख) लेख अशुद्धि (Errors of commission)

(ग) सैद्धांतिक अशुद्धि

(ब) खातों पर उनके प्रभाव के आधार पर

(क) एक पक्षीय अशुद्धि

(ख) द्विपक्षीय अशुद्धि

(अ) प्रकृति के आधार पर

(क) लोप अशुद्धि (Errors of Omission) : नियमानुसार किसी भी लेन-देन का अभिलेखन पहले लेखांकन बहियों में किया जाता है। लेकिन हो सकता है कि लेखाकार ने उसकी प्रविष्टि की ही न हो अथवा अधूरी की हो। इस अशुद्धि को लोप अशुद्धि कहते हैं। उदाहरण के लिए उधार माल खरीदा लेकिन क्रय बही में उसकी प्रविष्टि नहीं की गई अथवा एक ग्राहक को छूट दी लेकिन खाता बही में बट्टा खाता में उसकी खतौनी नहीं की गई।

प्रथम स्थिति में यह संपूर्ण लोप है इसीलिए नाम एवं जमा दोनों पक्ष समान राशि से प्रभावित होंगे। इसीलिए इसका तलपट के मिलान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

दूसरा उदाहरण अधूरी अलोप अशुद्धि है। यह केवल एक ही खाते अर्थात् बट्टा खाते पर प्रभाव डालता है। इसीलिए इसका तलपट के मिलान पर प्रभाव पड़ता है।

(ख) लेख अशुद्धि (Errors of Commission) : जब कोई अशुद्धि लेन-देन के अभिलेखन के दौरान होती है तो इसे लेख अशुद्धि कहेगें। यह निम्न प्रकार की हो सकती है :

टिप्पणी

(i) विशेष उद्देश्यीय बहियों में लेन-देन के अभिलेखन के दौरान की अशुद्धि जो इस प्रकार की हो सकती हैं :

- गलत बही में प्रविष्टि करना। उदाहरण के लिए राकेश से उधार माल खरीदा लेकिन उसकी प्रविष्टि क्रय बही के स्थान पर विक्रय बही में कर दी गई।
- सही लेखा पुस्तक में प्रविष्टि करना लेकिन राशि का गलत लिखा जाना। उदाहरण के लिए शालिनी को ₹ 4,200 का माल उधार बेचा लेकिन विक्रय बही में ₹ 2,400 की प्रविष्टि की गई।

उपर्युक्त दोनों मामलों में दोनों खातों पर समान राशि से प्रभाव पड़ेगा। एक खाते के नाम पर तथा दूसरे के जमा पर। इसलिए तलपट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(ii) योग में गलती : विशेष उद्देश्यीय बही अथवा खातों के योग करने में त्रुटि हो सकती है। कुल योग राशि वास्तविक योग राशि से कम अथवा अधिक हो सकती है। पहली स्थिति को अवयोग (कमयोग) और दूसरी को अतियोग (अधिक योग) कहेंगे। उदाहरण के लिए क्रय बही का योग ₹44,800 लगाया गया जबकि इसका वास्तविक योग ₹ 44,300 है तथा विक्रय बही का योग ₹ 52,500 लगाया गया जबकि इसका वास्तविक योग ₹ 52,900 है।

यह इस प्रकार की त्रुटि है जो एक खाते पर ही प्रभाव डालती है इसलिए इसका प्रभाव तलपट के मिलान पर भी पड़ता है।

(iii) शेष निकालने में गलती : लेखा अवधि की समाप्ति पर जब लेखा पुस्तकों को बंद किया जाता है तब खातों का शेष निकाला जाता है। शेष खाते के दोनों पक्षों के योग को लेकर निकाला जाता है। इसको निकालने में त्रुटि हो सकती है। जैसे कि मोहन के खाते के नाम का योग ₹ 8,600 है तथा जमा का ₹ 6,800 तथा दोनों का शेष निकाला गया ₹ 1,600 जबकि वास्तविक शेष ₹ 1,800 है।

क्योंकि इसका प्रभाव एक ही खाते पर पड़ा है इसलिए यह तलपट के मिलान पर भी प्रभाव डालेगा।

(iv) शेष राशि अथवा योग की राशि को अशुद्ध रूप से आगे ले जाना : योग एवं शेष को अगले पृष्ठ पर ले जाया जाता है। इन्हें अशुद्ध रूप में आगे ले जाया जा सकता है। उदाहरण के लिए क्रय बही के एक पृष्ठ का योग ₹ 35,600 है तथा उसे अगले पृष्ठ पर ले जाने पर ₹ 36,500 लिखा गया है।

टिप्पणी

यहाँ भी अशुद्धि का प्रभाव एक ही खाते पर पड़ रहा है इसलिए तलपट पर भी प्रभाव पड़ेगा।

(v) **अशुद्ध खतौनी :** रोजनामचा अथवा विशेष उद्देश्यीय बहियों से लेन-देनों की खाता बही में संबंधित खातों में खतौनी की जाती है। इसके कई रूप हो सकते हैं जैसे कि गलत खाते में खतौनी करना, खाते के गलत पक्ष में खतौनी करना या फिर एक ही खाते में दो बार लिख देना। जैसे कि राजेश मोहंती से ₹ 5,400 का माल खरीदा जिसकी राजेश मोहंती के नाम के पक्ष में खतौनी कर दी गई या फिर उसके खाते के जमा में दो बार खतौनी कर दी गई या फिर राकेश मोहंती के जमा में खतौनी कर दी गई।

ऊपर के उदाहरण में अशुद्धि का एक ही खाते पर प्रभाव पड़ रहा है इसीलिए तलपट पर इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा।

क्षतिपूरक अशुद्धियाँ

दो या दो से अधिक अशुद्धियाँ जब इस प्रकार से होती है कि इसके कारण नाम पक्ष में राशि बढ़ जाती है अथवा घट जाती है तथा अन्य अशुद्धि के कारण समान राशि से यह राशि क्रमशः घट जाती है अथवा बढ़ जाती है। इस प्रकार से खातों पर प्रभाव शून्य हो जाता है। इन अशुद्धियों को क्षतिपूरक अशुद्धि कहते हैं। उदाहरण के लिए सोहन के खाते के नाम में ₹ 3,500 के स्थान पर ₹ 2,500 लिखा गया जब कि मोहन के खाते के नाम में ₹ 3,500 की प्रविष्टि की गई जब कि ₹ 2,500 से करनी थी। इस प्रकार से मोहन के खाते के नाम में ₹ 1,000 अधिक लिखे गये और सोहन के खाते के जमा में कम लिखी गई राशि की क्षतिपूर्ति हो जाती है।

अब क्योंकि नाम की राशि तथा जमा की राशि समान हो गई है इसलिए इन अशुद्धियों से तलपट के मिलान पर प्रभाव नहीं पड़ेगा जब कि वास्तविकता यह है कि यह अशुद्धि है।

(ग) **सैद्धांतिक अशुद्धि (Error of principle) :** आय एवं व्यय की मदों को पूँजी एवं आगम वर्गों में विभक्त किया गया है। लेखांकन का आधारभूत सिद्धांत है कि पूँजीगत आय एवं पूँजीगत व्यय का पूँजीगत मद के रूप में अभिलेखन होना चाहिए तथा आगम व्यय एवं आगम आय का अभिलेखन आगम मद के रूप में होना चाहिए। यदि किसी लेन-देन का अभिलेखन इस सिद्धांत की अवमानना करके किया गया है तो इसे सैद्धांतिक अशुद्धि कहा जाता है अर्थात् पूँजीगत मद को आगम मद के रूप में तथा आगम मदों को पूँजीगत मदों के रूप में लिखा गया है। उदाहरण के लिए भवन की मरम्मत पर ₹ 5000 व्यय किए गए जिसे भवन खाते के नाम में लिख दिया गया जबकि इसे भवन मरम्मत खाते के नाम में

टिप्पणी

लिखा जाना चाहिए था। यह सैद्धांतिक अशुद्धि है क्योंकि भवन की मरम्मत पर किया गया व्यय आगम व्यय है जबकि इसे पूँजीगत व्यय मानकर भवन खाते के नाम में लिख दिया गया है।

अब क्योंकि नाम तथा जमा दोनों पक्ष प्रभावित हुए हैं इसलिए तलपट पर इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(ब) खातों पर प्रभाव के आधार पर

कुछ अशुद्धियाँ किसी खाते के एक पक्ष अर्थात् नाम या जमा को प्रभावित करती हैं या दोनों पक्षों को अर्थात् नाम तथा जमा। इस आधार पर अशुद्धियों को निम्न श्रेणियों में विभक्त किया जा सकता है।

(क) एक-पक्षीय अशुद्धि : लेखांकन अशुद्धि जो किसी खाते के एक पक्ष को प्रभावित करती है उसे एक पक्षीय अशुद्धि कहते हैं। प्रभावित पक्ष नाम पक्ष हो सकता है अथवा जमा पक्ष। इस अशुद्धि का कारण है कि एक खाते में तो खतौनी ठीक की गई पर संलग्न खाते की खतौनी में अशुद्धि है। विक्रय बही का ₹100 से अधिक योग हुआ। इसमें केवल विक्रय खातें के जमा में ₹ 100 अधिक लिखने की गलती हुई है जबकि विभिन्न देनदारों से संबंधित खातों के नाम में ठीक प्रविष्टि की गई है। एक-पक्षीय अशुद्धि का एक और उदाहरण है इशिता से ₹2,500 प्राप्त हुए जो कि गलती से उसके नाम में लिख दिए गए। इस प्रकार से केवल इशिता के खाते पर ही प्रभाव पड़ा क्योंकि रोकड़ बही से राशि की ठीक प्रविष्टि की गई है। इस प्रकार की त्रुटि का तलपट के मिलान पर प्रभाव पड़ता है।

(ख) द्वि-पक्षीय अशुद्धि : अशुद्धि, जिसका प्रभाव दो अलग–अलग खातों पर पड़ता है, एक के नाम पक्ष पर तथा दूसरे के जमा पक्ष पर, को द्विपक्षीय अशुद्धि कहते हैं। उदाहरण के लिए ₹ 1,000 की मशीनरी खरीदी जिसकी क्रय बही में प्रविष्टि कर दी गई। इस स्थिति में क्रय खाते के नाम में गलत लिख दिया गया तथा मशीनरी खाते के नाम में प्रविष्टि करने से रह गई। इस प्रकार से क्रय खाता एवं मशीनरी खाता दो खातों पर इसका प्रभाव पड़ेगा।

पाठगत प्रश्न 12.2

नीचे कुछ लेखांकन अशुद्धियाँ दी गई हैं। प्रत्येक के सामने अशुद्धि उसकी प्रकृति के अनुसार प्रकार लिखें अर्थात् लोप अशुद्धि, सैद्धांतिक अशुद्धि, क्षतिपूरक अशुद्धि, लेख अशुद्धि।

(i) फर्नीचर क्रय किया गया लेकिन क्रय बही में प्रविष्टि की गई।

(..... अशुद्धि)

टिप्पणी

(ii) भवन मरम्मत व्यय को भवन खाते के नाम लिख दिया गया।
(..... अशुद्धि)

(iii) विक्रय बही का योग ₹ 14,600 के स्थान पर ₹ 15,000 लगाया गया।
(..... अशुद्धि)

(iv) मोहन के खाते के नाम में ₹ 4,500 तथा सोहन के खाते के नाम में ₹ 5,500 लिखे जाने थे जबकि मोहन के खाते के नाम में ₹ 5,500 तथा सोहन के खाते के नाम में ₹ 4,500 लिख दिये गए। (..... अशुद्धि)

12.3 लेखांकन अशुद्धियों का शोधन

अब तक आप भलीभाँति यह समझ चुके होंगे कि प्रत्येक व्यावसायिक इकाई, किसी लेखा अवधि के दौरान उसने क्या लाभ कमाया है अथवा उसे कितनी हानि हुई है तथा किसी एक तिथि को उसकी वित्तीय स्थिति क्या है, इसकी सूचना के लिए वित्तीय विवरण तैयार करती है। यह सूचना तभी उपयोगी होगी जबकि यह सही हो। कोई भी व्यावसायिक इकाई इस उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकती यदि लेखांकन में अनेक अशुद्धियाँ है, आपकी तत्काल प्रतिक्रिया यही होगी कि लेखांकन में की गई अशुद्धियों को वित्तीय विवरणों के बनाने से पूर्व शीघ्र अतिशीघ्र पहचान कर उनका संशोधन कर देना चाहिए।

यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि अशुद्धियों को कभी भी मिटा कर अथवा उनके ऊपर लिख कर ठीक नहीं करना चाहिए इससे खातों में हेरा-फेरी एवं धोखा-धड़ी को बढ़ावा मिलेगा।

लेखांकन में लेखा संबंधी अशुद्धियों के संशोधन की कुछ निश्चित पद्धतियाँ हैं। यह लेखांकन व्यवहार तथा प्रक्रिया पर आधारित हैं इन पद्धतियों के द्वारा अशुद्धियों के शोधन को लेखांकन अशुद्धियों का शोधन कहते हैं। अतः यह शोधन की एक प्रक्रिया है। इसमें सामान्यतः एक प्रविष्टि की जाती है जिसके द्वारा अशुद्धि के प्रभाव को शून्य कर दिया जाता है।

लेखांकन अशुद्धियों के शोधन की विधियाँ

I. तलपट बनाने से पूर्व
   (i) तुरंत सुधार (ii) प्रभावित खाते में सुधार

II. तलपट बनाने के पश्चात्

तलपट बनाने से पूर्व

(i) तुरंत सुधार : यदि अशुद्धि का पता लेखांकन प्रविष्टि के तुरन्त बाद लग जाता है तो गलत प्रविष्टि को सफाई से काट कर उसके स्थान पर सही प्रविष्टि कर

इसमें सुधार किया जा सकता है। इस पर लेखाकार को अपने लघु हस्ताक्षर कर देने चाहिएँ। उदाहरण के लिए ₹ 3,500 की राशि के स्थान पर ₹ 5,300 लिख दिए गए हैं। इसे काटकर ₹ 3,500 लिखकर शोधन किया जा सकता है।

(ii) प्रभावित खातों में सुधार करके : जब अशुद्धि का पता लेन-देन की तिथि के बाद लेकिन तलपट बनाने से पहले लग जाता है तो प्रभावित खाते में उचित सुधार कर शोधन किया जाता है। इस विधि से लेखांकन अशुद्धियों का शोधन करने के कुछ उदाहरण नीचे दिए गए है।

उदाहरण 1

जुलाई 2014 को क्रय बही का योग ₹ 8,000 अधिक लगा दिया गया।

हल :

खाते जो प्रभावित हुए : क्योंकि क्रय बही का योग क्रय खाते के नाम में लिखा जाता है इसलिए इसका प्रभाव क्रय खाते पर पड़ेगा।

शोधन : अशुद्धि के प्रभाव को शून्य करने के लिए ₹ 8,000 की प्रविष्टि क्रय खाते के जमा पक्ष में की जाएगी जिसके साथ लिखा जाएगा, जुलाई 2014 का क्रय बही का योग अधिक लगाया गया है।

क्रय खाता

नाम जमा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*राशि (₹)*	*तिथि*	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*राशि (₹)*
					माह जुलाई, 2014 के लिए क्रय बही का योग अधिक लगाया गया		8,000

उदाहरण 2

अशोक को ₹ 1,200 का भुगतान किया गया जिसे गलती से उसके जमा में लिख दिया गया।

हल :

खाते जो प्रभावित हुए : अशोक का खाता प्रभावित हुआ क्योंकि उसके नाम में लिखना था जबकि उसके जमा में लिख दिया गया।

शोधन : इसमें प्रभाव को शून्य करने के लिए अशोक के खाते के नाम में लिखा जाएगा क्योंकि गलती से उसके खाते के जमा में प्रविष्टि कर दी गई है जबकि नकद भुगतान के कारण उसके खाते के नाम में लिखा जाना था। शोधन इस प्रकार होगा:

टिप्पणी

अशोक का खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	राशि (₹)
	नकद भुगतान किया लेकिन गलती से जमा में लिख दिया गया।		2,400		रोकड़ खाता		1,200

उदाहरण 3

₹ 5000 का फर्नीचर खरीदा जिसे क्रय बही में लिख दिया गया।

हल :

प्रभावित खाते : फर्नीचर खाता एवं क्रय खाता प्रभावित हुए हैं। फर्नीचर खाते के नाम में लिखना रह गया है जबकि गलती से क्रय खाते के नाम में लिख दिया गया है।

शोधन : इसमें क्रय खाते के नाम में गलती से प्रविष्टि कर देने के प्रभाव को शून्य करने के लिए इसके जमा में लिखा जाएगा। फर्नीचर खाते के नाम में लिखा जाना था लेकिन छूट गया था। इसलिए इस खाते के नाम में प्रविष्टि कर दी जाएगी।

फर्नीचर खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	राशि (₹)
2014 जन. 15	क्रय खाते से हस्तांतरित राशि		5,000				

क्रय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	राशि (₹)
2014				2014 जन. 15	फर्नीचर खाता में हस्तांतरित राशि		5,000

रोजनामचा प्रविष्टि के माध्यम से शोधन

उपरोक्त उदाहरण में शोधन के लिए रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार की जाएगी।

टिप्पणी

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
2014 जन. 15	फर्नीचर खाता नाम क्रय खाता से (फर्नीचर उधार खरीदा गलती से क्रय बही में लेखा किया गया। अब गलती को सुधारा गया है।)		5,000	 5,000

उदाहरण 4

गोविंद से ₹ 15,000 की राशि प्राप्त हुई जिसे हर गोविंद के जमा में लिख दिया गया।

हल :

जिन दो खातों पर प्रभाव पड़ा है वह है गोविंद का खाता जिसके जमा में प्रविष्टि नहीं की गई है तथा हरगोविंद का खाता जिसके जमा में गलती से लिख दिया गया है।

रोजनामचा में शोधन की प्रविष्टि इस प्रकार होगी।

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
	हर गोविंद खाता नाम गोविंद खाता से (गोविंद से प्राप्त राशि हर गोविंद के खाते में गलती से लिख दी गई। अब इसका सुधार किया गया है।)		15,000	 15,000

उदाहरण 5

नीचे कुछ लेखांकन अशुद्धियाँ दी गई हैं। रोजनामचा प्रविष्टि कर इनका शोधन कीजिए:

(i) मल्विका को ₹ 20,000 की ब्रिकी की गई जिसे विक्रय बही में लिखा नहीं गया।

(ii) लेखाकार रमन को ₹ 7,500 वेतन के भुगतान किए जिसे उसके व्यक्तिगत खाते के नाम में लिख दिया गया।

(iii) ₹ 2,800 में पुराना फर्नीचर बेचा जिसे विक्रय बही में लिख दिया गया।

(iv) मशीन के क्रय करने पर ₹ 500 ढुलाई पर व्यय किए जिसे ढुलाई खाते के नाम में लिखा गया।

टिप्पणी

(v) अतुल्य घोष लेनदार को ₹ 50,000 का भुगतान किया लेकिन 'प्रफुल्ल' घोष के नाम में लिख दिया गया।

हल :

रोजनामचा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
(i)	मल्विका खाता नाम विक्रय खाता से (मल्विका को माल बेचा लेकिन विक्रय बही में लिखने से रह गया। अब इसका सुधार किया गया है।)		20,000	20,000
(ii)	वेतन खाता नाम रमन खाता से (रमन को वेतन का भुगतान किया लेकिन उसके व्यक्तिगत खाते में लिख दिया गया। अब इसका शोधन किया है।)		7,500	7,500
(iii)	विक्रय खाता नाम फर्नीचर खाता से (पुराना फर्नीचर बेचा लेकिन विक्रय बही में लिख दिया गया। अब शोधन किया गया है।)		2,800	2,800
(iv)	मशीन खाता नाम ढुलाई खाता से (मशीन के क्रय पर उसकी ढुलाई पर व्यय किया जिसे ढुलाई खाता के नाम में चढ़ा दिया गया। अब इसका शोधन किया गया है।)		500	500
(v)	अतुल्य घोष नाम प्रफुल्ल घोष से (अतुल्य घोष को भुगतान किया जिसे प्रफुल्ल घोष के नाम में लिख दिया गया। अब इसका शोधन किया गया है।)		50,000	50,000

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 12.3

i. अशोक से ₹ 2,500 प्राप्त हुए परंतु उसके खाते में ₹ 5,200 से खतौनी कर दी गई। लेखाकार ने ₹ 5,200 मिटाकर उसके स्थान पर ₹ 2,500 लिख दिए। क्या उसने यह उचित किया?

ii. लेखाकार ने ₹ 5,200 के स्थान पर ₹ 7,200 लिखकर गलती में इस प्रकार से सुधार किया। क्या उसने उचित किया ?

~~₹ 7,200~~

₹ 5,200

iii. विक्रय बही का योग ₹ 1,000 अधिक लगाया गया। लेखाकार ने अशुद्धि का शोधन इस प्रकार से किया।

विक्रय बही के अनुसार राशि ₹ 1,000 अधिक जोड़ा गया

उसे, इस राशि को विक्रय खाते के किस ओर लिखना चाहिए?

iv. ₹ 1,200 मजदूरी के भुगतान किए जिसकी प्रविष्टि रोकड़ बही में करने से रह गई।

इस अशुद्धि के संशोधन के लिए क्या रोजनामचा प्रविष्टि की जाएगी?

12.4 उचन्त खाता (Suspense Account) के माध्य से अशुद्धियों का शोधन

आप यह जान चुके हैं कि किसी व्यावायिक इकाई द्वारा एक अवधि के अंत में जो तलपट तैयार किया गया है उसका मिलान आवश्यक है। इसका अर्थ यह है कि नाम स्तंभ एवं जमा स्तंभ के योग का मिलान हो लेकिन यदि योग का मिलान नहीं होता तब अंतर की राशि को एक नए खाते में लिख दिया जाएगा। इस खाते को उचन्त खाता (Suspense Account) कहते हैं। तलपट नाम पक्ष का योग यदि इसके जमा पक्ष के योग से अधिक है तो अन्तर की राशि को उचन्त खाते के जमा पक्ष में लिख दिया जाएगा अर्थात् उचन्त खाता के जमा में लिखा जाएगा तथा इसके विपरीत होने पर उसके नाम में लिखा जाएगा। आपने यह भी सीखा है कि तलपट के दोनों पक्षों का योग बराबर नहीं होगा, क्योंकि लेखांकन में कोई अशुद्धि है जो कि उचन्त खाते में परिलक्षित हो रही है। इस प्रकार से उचन्त खाता अशुद्धियों का सारांश रूप में खाता है।

उचन्त खाते का खोलना एक अस्थायी व्यवस्था है। जिन अशुद्धियों के कारण यह खाता खोला गया है जैसे ही उनका शोधन कर दिया जाता है यह खाता स्वतः ही बंद हो जाता है। ध्यान देने योग्य बात है कि उचन्त खाता एकपक्षीय अशुद्धियों के कारण खोला

टिप्पणी

जाता है। इसीलिए एक पक्षीय अशुद्धियों का शोधन उचन्त खाते के माध्यम से किया जाता है। जब भी अशुद्धि का शोधन करने के लिए सही खाते के नाम में सही राशि लिखी जाती है तो उचन्त खाते के जमा में लिखकर द्विअंकन प्रविष्टि को पूरा कर लिया जाता है इसके विपरीत की स्थिति में सही खाते के जमा में सही राशि लिखकर उचन्त खाते के नाम में लिखकर द्विअंकन प्रविष्टि को पूरा कर लिया जाता है। उदाहरण के लिए गोपाल के नाम में ₹ 100 कम लिखे गए। यहाँ अशुद्धि का शोधन उचन्त खाते के माध्यम से किया जाएगा। यहाँ गोपाल के खाते के नाम में तथा उचन्त खाते के जमा में ₹ 100 लिखे जाएँगे।

इसकी रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार से होगी :

गोपाल खाता	नाम	100	
उचन्त खाता से			100
(गोपाल के खाते में राशि कम लिखी गई			
अब इसका शोधन किया गया है।)			

इसी प्रकार से एक पक्षीय अशुद्धि का शोधन करते समय सही खाते के जमा में सही राशि लिखी जाती है तथा उचन्त खाते के नाम में लिखा जाता है। उदाहरण के लिए दिसम्बर, 2014 की विक्रय बही का योग ₹ 500 कम लगाया गया है। अशुद्धि का शोधन उचन्त खाते के नाम में तथा विक्रय खाते के जमा में लिखकर किया जाएगा।

इसकी रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार से होगी :

उचन्त खाता	नाम	500	
विक्रय खाता से			500
(विक्रय बही का योग कम लगाया			
अब त्रुटि को सुधारा गया है।)			

उदाहरण 6

नीचे कुछ लेखांकन अशुद्धियाँ दी गई हैं। इनका उचन्त खाते के माध्यम से शोधन कीजिए।

(i) क्रय बही का योग ₹ 200 अधिक लगाया गया है।

(ii) मनोहर से ₹ 2,500 का माल खरीदा तथा उसके खाते के नाम में खतौनी की गई।

(iii) मुनीष को ₹ 4,500 का नकद भुगतान किया गया जिसको मनीष के जमा में लिख दिया गया।

(iv) एन्थनी को ₹ 100 की छूट दी गई जो बट्टा खाता के नाम में लिखने से रह गई।

टिप्पणी

हल :

(i) ***लेखांकन प्रभाव :*** क्रय खाते के नाम में ₹ 200 अधिक लिखे गए हैं।

शोधन : क्रय खाते के नाम में ₹ 200 तथा उचन्त खाते के जमा में ₹ 200 लिखे जाएँगे।

रोजनामचा प्रविष्टि

उचन्त खाता	नाम	200	
क्रय खाता से			200
(क्रय बही का जोड़ ₹ 200 अधिक लग गया जिसका शोधन किया गया है।)			

(ii) ***लेखांकन प्रभाव :*** मनोहर के खाते के नाम में ₹ 2,500 लिखे गए हैं जबकि यह राशि उसके जमा पक्ष में लिखी जानी थी।

शोधन : मनोहर के खाते के जमा में 5,000 रु. लिखे जाएँगे।

रोजनामचा प्रविष्टि

उचन्त खाता	नाम	5,000	
मनोहर खाता से			5,000
(मनोहर से माल खरीदा उसके खाते के नाम पक्ष में प्रवष्टि कर दी गई जिसका अब सुधार किया गया है।)			

(iii) ***लेखांकन प्रभाव :*** मुनीष के खाते के जमा में ₹ 4,500 लिखे गए हैं जबकि यह राशि मनीष के खाते के नाम में लिखी जानी थी।

शोधन : मनीष और मुनीष के खातों के नाम में ₹ 4,500 लिखे जाएँगे तथा ₹ 9,000 उचन्त खाते के जमा में लिखे जाएँगे।

रोजनामचा प्रविष्टि

मनीष खाता	नाम	4,500	
मुनीष खाता	नाम	4,500	
उचन्त खाता से			9,000
(मुनीष को नकद भुगतान किया गलती से मनीष के जमा में लिखा गया अब शोधन किया गया है)			

(iv) ***लेखांकन प्रभाव :*** बट्टा खाता के नाम में ₹ 100 लिखने से रह गए हैं।

टिप्पणी

शोधन : बट्टा खाता के नाम में ₹ 100 तथा उचन्त खाते के जमा में ₹100 लिखे जाएँगे।

रोजनामचा प्रविष्टि

बट्टा खाता	नाम	100	
उचन्त खाता से			100
(छूट दी गई जो बट्टा खाते में लिखने से रह गई अब शोधन किया गया)			

उदाहरण 7

नीचे दी गई लेखांकन अशुद्धियों का शोधन उचन्त खाते के माध्यम से रोजनामचा प्रविष्टियों द्वारा कीजिए।

1. मोहित से ₹ 2,500 का माल क्रय किया जिसकी विक्रय बही में प्रविष्टि की गई जबकि मोहित के खाते के जमा में ठीक लिखा गया।
2. अनिल देनदार से ₹ 3,200 प्राप्त हुए जिनकी रोकड़ बही में ठीक प्रविष्टि कर दी गई लेकिन उसके खाते में खतौनी करने से रह गई।
3. विक्रय बही का योग ₹ 1,500 से अधिक लगाया गया।
4. हनीफ को ₹ 4,000 का भुगतान किया जबकि रफीक के खाते के जमा में ₹1,400 लिख दिए गए।
5. क्रय वापसी बही के ₹ 3,150 के योग को आगे ₹ 1,530 ले जाया गया।
6. नमीता को ₹ 6,500 का नकद भुगतान किया लेकिन ₹ 6,000 सुमीता के नाम में लिखे गए।

हल

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
1.	क्रय खाता नाम		2,500	
	विक्रय खाता नाम		2,500	
	उचन्त खाता से			5,000
	(माल का क्रय किया लेकिन विक्रय बही में प्रविष्टि कर दी गई अब उसका शोधन किया है।)			

टिप्पणी

2.	उचन्त खाता नाम अनिल खाता से (अनिल के खाते के जमा में लिखना रह गया अब उसका सुधार किया गया है।)		3,200	 3,200
3.	विक्रय खाता नाम उचन्त खाता से (विक्रय बही का योग अधिक लगाया गया अब त्रुटि का शोधन किया गया है।)		1,500	 1,500
4.	हनीफ खाता नाम रफीक खाता नाम उचन्त खाता से (हनीफ को नकद भुगतान किया गलती से रफीक के जमा में लिख दिया गया अब सुधार किया गया।)		4,000 1,400	 5,400
5.	उचन्त खाता नाम क्रय वापसी खाता से (क्रय वापसी बही का योग कम लगाया गया। अब त्रुटि को सुधार कर लिया गया है।)		1,620	 1,620
6.	नमीता खाता नाम सुमीता खाता से उचन्त खाता से (नमीता को ₹ 6,500 का भुगतान किया गलती से सुमिता के खाते में लिख दिया गया। अब इसका सुधार किया गया है।)		6,500	 6,000 500

द्विपक्षीय अशुद्धियों का संशोधन

अशुद्धियाँ जो दो अलग-अलग खातों के एक ही पक्ष को प्रभावित करती है अथवा अलग-अलग पक्षों को प्रभावित करती है, द्विपक्षीय अशुद्धियाँ कहलाती हैं।

उदाहरण 8

मै. फर्नीचर हाउस से 15 जनवरी, 2014 को ₹ 5,000 का फर्नीचर खरीदा जिसका लेखांकन गलती से क्रय बही में कर दिया गया।

हल :

जो खाते प्रभावित हुए हैं वह हैं फर्नीचर खाता जिसके नाम में लिखना छूट गया है तथा क्रय खाता के नाम में गलती से लिख दिया गया हें

रोजनामचे के माध्यम से शोधन

फर्नीचर खाता	नाम	5,000	
क्रय खाता से			5,000
(फर्नीचर खरीदा। गलती से क्रय-बही में लिख दिया गया। अब गलती का सुधार किया गया।)			

पाठगत प्रश्न 12.4

निम्नलिखित का उत्तर एक वाक्य में दीजिए :

i. उचन्त खाता कब खोला जाता है?

ii. उचन्त खाता कब लुप्त हो जाता है?

iii. द्विपक्षीय अशुद्धियाँ क्या हैं?

iv. उचन्त खाते के माध्यम से किस प्रकार की अशुद्धियों का शोधन किया जाता है?

आपने क्या सीखा

- लेखांकन अशुद्धियाँ किसी व्यावसायिक फर्म के खातो के अभिलेखन एवं रख-रखाव के लिए उत्तरदायी व्यक्तियों द्वारा लेखांकन प्रक्रिया के दौरान की गई अशुद्धियाँ हैं।
- अशुद्धि का स्वरूप हो सकता है : लेन-देन का किसी बही में लिखना अथवा खाता-बही में खतौनी से रह जाना। अथवा योग करने या गलत राशि से लिखना अथवा गलत खाते में लिखना।
- लेखांकन अशुद्धियाँ वह भी होती हैं जो तलपट के मिलान पर प्रभाव डालती है तथा वह भी होती है जो उसके मिलान पर प्रभाव नहीं डालती।
- लेखांकन की प्रकृति के आधार पर लेखांकन अशुद्धियां निम्न हो सकती हैं :

  (क) लोप अशुद्धियाँ (ख) लेख अशुद्धियाँ
  (ग) सैद्धान्तिक अशुद्धियाँ (घ) क्षतिपूरक अशुद्धियाँ

टिप्पणी

- खातों को प्रभावित करने के आधार पर अशुद्धियाँ निम्न हो सकती हैं :

  (क) एक-पक्षीय अशुद्धि (ख) द्वि-पक्षीय अशुद्धि

- अशुद्धियों का शोधन कभी भी मिटाकर अथवा लिखे पर लिखने से नहीं करना चाहिए।
- अशुद्धियों के संशोधन की विधियाँ हैं :

  (क) तलपट बनाने से पहले, तुरंत ठीक करना एवं प्रभावित खाते में ठीक करना।

  (ख) यदि तलपट तैयार हो गया है तो उचन्त खाते के माध्यम से।

पाठान्त प्रश्न

1. लेखांकन अशुद्धियों का अर्थ बताइए।
2. उचित उदाहरण देकर अशुद्धियों के निम्न प्रकारों को समझाइए :

   (क) लोप अशुद्धि

   (ख) क्षतिपूरक अशुद्धियाँ

   (ग) सैद्धान्तिक अशुद्धि

3. एक व्यवसायी ने अपनी फर्म का तलपट तैयार किया जिसका मिलान हो गया है। वह संतुष्ट है कि अब कोई लेखांकन अशुद्धि नहीं हो सकती। क्या आप उससे सहमत हैं? यदि नहीं तो उन अशुद्धियों की सूची बनाइए जो तलपट के मिलान को प्रभावित नहीं करती हैं।
4. उचन्त खाता कब खोला जाता है? उचन्त खाते के माध्यम से अशुद्धियों का शोधन किस प्रकार से किया जाता है?
5. निम्न अशुद्धियों का शोधन करे :

   (i) ₹ 8,200 का माल उधार क्रय किया गया लेकिन इसका लेखा क्रय बही में नहीं किया।

   (ii) क्रय वापसी बही को ₹ 1,000 से अधिक जोड़ा गया।

   (iii) गोपाल को ₹ 3,200 वेतन का भुगतान किया गया लेकिन लेखाकार ने उसके निजी खाते में नाम किया।

   (iv) शकीला को ₹ 2,400 का माल विक्रय किया। उसके खाते में ₹ 4200 की खतौनी की गई।

   (v) सुरेश से ₹ 2,000 रोकड़ प्राप्त हुई लेकिन बहियों में लेखा नहीं किया गया।

टिप्पणी

6. निम्न अशुद्धियों का शोधन कीजिए :

(i) क्रय बही को ₹ 1,500 से कम जोड़ा गया।

(ii) विक्रय वापसी बही को ₹ 1,000 अधिक जोड़ा गया।

(iii) विक्रय बही का योग ₹ 100 कम हुआ।

(iv) क्रय बही का योग ₹ 7,580 था क्रय खाते में खतौनी ₹ 5,780 की गई।

(v) विक्रय बही के पृष्ठ का योग ₹ 24,750 था जो कि अगले पृष्ठ पर ₹ 27,450 लाया गया।

7. निम्न अशुद्धियों का शोधन करने के लिए रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए :

(i) ₹ 4,500 में पुरानी मशीन का विक्रय किया गया एवं विक्रय खाते में खतौनी की गई।

(ii) स्वामी के घर का किराया ₹ 12,000 की किराये खाते में खतौनी की गई।

(iii) बृजमोहन के खाते के जमा में ₹ 6,750 लिखे जाने थे जो उसके खाते में ₹ 4,750 लिखे गये।

(iv) मै. डेकोरेटर से ₹ 22,500 का फर्नीचर क्रय किया जो क्रय बही में लिखा गया।

(v) लेखाकार सुशील गुप्ता को ₹ 6,500 वेतन का भुगतान किया गया जो उनके निजी खाते में नाम में लिखा गया।

8. एक फर्म के पुस्तपालक ने यह पाया कि तलपट का मिलान नहीं हो रहा है। जमा का योग नाम के योग से ₹ 2,850 अधिक है। इस राशि को उचन्त खाते में लिखा गया और निम्न अशुद्धियाँ पाई गईं।

(i) जमा पक्ष की मद ₹ 3,490 को उसके निजी खाते में ₹ 4,390 नाम किया गया।

(ii) मशीन पर अवक्षयण के ₹ 2,650 अपलिखित किये गये लेकिन मशीन खाते में खतौनी नहीं की गई।

(iii) ₹ 5,300 का माल ग्राहक ने वापस किया बहियों को बंद करने से पहले स्टॉक में ले लिया गया लेकिन बहियों में लेखा नहीं किया गया।

(iv) लखनपाल की ओर ₹ 4,800 निकलते थे जिन्हें अप्राप्य ऋण मानकर समाप्त कर दिया गया था। अब प्रत्याशित रूप से प्राप्त हो गए हैं तथा उन्हें लखनपाल के निजी खाते में लिख दिया गया है।

(v) विक्रय बही का योग ₹ 1,500 से कम लगाया गया है।

(vi) व्यवसाय के स्वामी ने ₹ 4,000 घर खर्च के लिए निकाले जिन्हें सामान्य

टिप्पणी

व्यय खाते में लिख दिया गया है।

(vii) मशीन मार्ट से ₹ 18,000 की मशीन क्रय की जिसकी प्रविष्टि क्रय बही में कर दी गई।

(viii) लक्ष्मण को ₹ 1,200 का भुगतान किया जिसे राम के जमा में ₹ 2,100 लिखा गया।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

12.1 (i) नहीं, (ii) हाँ, (iii) हाँ, (iv) नहीं

12.2 (i) सैद्धांतिक, (ii) सैद्धांतिक, (iii) लेख, (iv) क्षतिपूरक अशुद्धि

12.3 (i) नहीं, (ii) हाँ, (iii) नाम पक्ष

(iv)

मजदूरी खाता	नाम	1,200
रोकड़ खाता	से	1,200

12.4 (i) जब तलपट का मिलान नहीं होता।

(ii) जब उचन्त खाते के लिए उत्तरदायी अशुद्धियों का शोधन किया गया है।

(iii) अशुद्धियाँ जो दो अलग-अलग खातों के एक ही पक्ष अथवा भिन्न पक्षों को प्रभावित करें।

(iv) एकपक्षीय अशुद्धियाँ

क्रियाकलाप

आपके पिता ने लेखा-जोखा रखने के लिए एक लेखाकार की नियुक्ति की है जो बहुत योग्य नहीं है तथा लेखांकन में त्रुटियाँ करता रहता है। आपके पिता ने आप से कहा है कि खातों की जाँच कर उसके द्वारा की गई लेखांकन अशुद्धियों की सूची तैयार करें। पता लगाएँ कि वह अधिकांश रूप से किस प्रकार की अशुद्धियाँ करता हैं। इन अशुद्धियों को विभिन्न वर्गों में बांटें तथा उसे समझाएँ कि कैसे वह भविष्य में उन गलतियों को नहीं करेगा?